SAGE UNIVERSITY INDORE

NAAC A+ GRADE

राष्ट्रीय सम्मेलन

दिनांक: 16 एवं 17 सितम्बर 2026

विषय

भारतीय भाषाओं के अंतर्संबंध राष्ट्रीय एकता और हिंदी की भूमिका

वैचारिक आलेख

सेज यूनिवर्सिटी, इंदौर का परिचय

मध्य प्रदेश के अग्रणी और प्रतिष्ठित निजी विश्वविद्यालयों में से एक है, जो उच्च शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार, गुणवत्ता और उत्कृष्टता के लिए जाना जाता है। सेज समूह द्वारा स्थापित यह विश्वविद्यालय छात्रों के समग्र विकास और आधुनिक कौशल निर्माण पर विशेष ध्यान देता है। इंदौर के एक सुरम्य और विशाल परिसर में स्थित इस संस्थान में इंजीनियरिंग, प्रबंधन, कंप्यूटर एप्लीकेशन, मानविकी, कला, पत्रकारिता और कृषि जैसे विभिन्न विषयों में विश्व स्तरीय पाठ्यक्रम संचालित किए जाते हैं। आधुनिक प्रयोगशालाएं, समृद्ध पुस्तकालय, उद्योग-उन्मुख शिक्षण पद्धति और अनुभवी संकाय सदस्य यहाँ की मुख्य विशेषताएं हैं। यूनिवर्सिटी का प्राथमिक उद्देश्य केवल किताबी ज्ञान देना नहीं, बल्कि छात्रों को व्यावहारिक और स्मार्ट लर्निंग के माध्यम से वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने और वास्तविक दुनिया के फैसले लेने में सक्षम बनाना है, जिससे वे देश और समाज के निर्माण में अपना सकारात्मक योगदान दे सकें।

मध्य प्रदेश हिंदी साहित्य समिति, इंदौर

हिंदी भाषा, साहित्य और संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए समर्पित देश की एक अत्यंत प्रतिष्ठित और ऐतिहासिक संस्था है। इंदौर में स्थित यह समिति दशकों से साहित्यिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र रही है, जिसका उद्देश्य हिंदी को जन-जन की भाषा बनाना और नवोदित लेखकों व साहित्यकारों को एक वैचारिक मंच प्रदान करना है। समिति द्वारा नियमित रूप से उच्च स्तरीय साहित्यिक विमर्श, कवि सम्मेलन, व्याख्यान मालाएँ और शोधपरक संगोष्ठियाँ आयोजित की जाती हैं। इसके साथ ही, यहाँ का समृद्ध पुस्तकालय और दुर्लभ पांडुलिपियों का संग्रह शोधार्थियों के लिए एक अमूल्य धरोहर है। राष्ट्रीय स्तर पर भाषाई समन्वय और हिंदी के उत्तरदायित्व को रेखांकित करने में इस समिति का योगदान अतुलनीय माना जाता है।

राष्ट्रीय सम्मेलन के बारे में (ABOUT THE NATIONAL CONFERENCE)

भारत एक बहुभाषी और बहुसांस्कृतिक राष्ट्र है, जहाँ भाषाएँ केवल अभिव्यक्ति का माध्यम मात्र नहीं हैं, बल्कि यहाँ की समृद्ध विरासत, इतिहास और संस्कृति की संवाहक भी हैं। आदि काल से ही भारत की विभिन्न भाषाओं ने एक-दूसरे को प्रभावित करती रही हैं और आपस में गहराई से जुड़ी हुई हैं । सेज यूनिवर्सिटी, इंदौर के तत्वावधान में आयोजित इस राष्ट्रीय सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य भारतीय भाषाओं के इसी आंतरिक और गहरे अंतर्संबंध को रेखांकित करना है, जो विविधता में एकता के मूल मंत्र को सुदृढ़ करता है। इसके साथ ही, देश की बहुसंख्यक आबादी द्वारा बोली और समझी जाने वाली भाषा 'हिंदी' किस प्रकार सभी प्रांतीय भाषाओं के साथ समन्वय स्थापित कर राष्ट्रीय एकीकरण की धुरी बन सकती है, इस पर गंभीर विमर्श करना है।

सम्मेलन के उप-विषय (Sub-themes for Technical Sessions)

ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक अंतर्संबंध

भारतीय भाषाओं का उद्गम और उनका अंतर्निहित एकात्म भाव।
भक्ति आंदोलन और भारतीय भाषाओं का वैश्विक जुड़ाव (संत साहित्य का योगदान)।
विभिन्न भारतीय भाषाओं के बीच साझा शब्दकोश और व्याकरणिक समानताएँ।

राष्ट्रीय आंदोलन और भाषाई चेतना

स्वतंत्रता संग्राम में भारतीय भाषाओं और हिंदी की संपर्क भाषा के रूप में भूमिका।
राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, नेताजी सुभाष चंद्र बोस और अन्य महापुरुषों का भाषाई दृष्टिकोण।

आधुनिक परिदृश्य और हिंदी का उत्तरदायित्व

प्रांतीय भाषाओं के विकास में हिंदी का सहयोग और सह-अस्तित्व।
·अनुवाद (Translation) की भूमिका: ज्ञान और विमर्श को एक भाषा से दूसरी भाषा तक पहुँचाने का सेतु।
·न्यायपालिका, प्रशासन और जन-संवाद में भारतीय भाषाएँ।

शिक्षा, तकनीक और डिजिटल युग

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) के आलोक में मातृ भाषाओं में उच्च शिक्षा की चुनौतियाँ और संभावनाएँ।
सूचना प्रौद्योगिकी (IT), सोशल मीडिया और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) के युग में भारतीय भाषाएँ और हिंदी।
वैश्विक स्तर पर हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं का बढ़ता प्रभाव।

अपेक्षित परिणाम (Expected Outcomes)

·यह सम्मेलन देश भर के विद्वानों, शोधकर्ताओं और भाषाविदों को एक मंच पर लाएगा, जिससे भाषाई सौहार्द बढ़ेगा।
अन्य प्रांतीय भाषाओं के विरोध के बिना, हिंदी को एक सुलभ संपर्क भाषा के रूप में स्वीकार करने के व्यावहारिक मार्ग प्रशस्त होंगे।
·सम्मेलन के शोध-पत्रों को एक संकलन (Edited Book/Proceedings) के रूप में प्रकाशित किया जाएगा, जो भविष्य के नीति-निर्धारकों के लिए उपयोगी दस्तावेज साबित होगा।

शोध-पत्र आमंत्रण

यह सम्मेलन शिक्षाविदों एवं शोधकर्ताओं, दोनों के लिए खुला है। सम्मेलन के मुख्य विषय एवं उप-विषयों से संबंधित मौलिक शोध-पत्र विभिन्न क्षेत्रों में आमंत्रित किए जाते हैं, जिनमे साहित्य, संगीत, शिक्षा, संस्कृति, पत्रकारिता , तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रमुख हैं।

सारांश एवं पूर्ण शोध-पत्र प्रस्तुत करने हेतु

पूर्ण शोध-पत्र एवं सारांश अंग्रेज़ी में 12 पॉइंट Times New Roman तथा हिंदी में 14 पॉइंट Kruti Dev 10 फ़ॉन्ट में तैयार कर निम्न ई-मेल पते पर भेजें:

ujjawal.bhati@sageuniversity.in

स्वीकृत शोध पत्रों को प्रकाशित किया जाएगा।

सारांश प्राप्ति हेतु महत्वपूर्ण तिथियाँ

विवरण	अंतिम तिथि
सारांश (Abstract) जमा करने की अंतिम तिथि	**12 सितंबर 2026**
पूर्ण शोध-पत्र (Full Paper) जमा करने की अंतिम तिथि	**12 सितंबर 2026**
पूर्ण शोध-पत्र एवं सारांश की स्वीकृति	**13 सितंबर 2026**
पंजीकरण की अंतिम तिथि	**16 सितंबर 2026**
ऑन-द-स्पॉट पंजीकरण	**16 सितंबर 2026**

पंजीकरण

सभी इच्छुक संकाय सदस्य, शोधार्थी एवं विद्यार्थी सम्मेलन में भाग लेने हेतु दिए गए लिंक के माध्यम से या QR कोड स्कैन करके निर्धारित शुल्क का भुगतान कर पंजीकरण कर सकते हैं।

श्रेणी	पंजीकरण शुल्क
संकाय सदस्य (Faculty Members)	₹1,200/-
शोधार्थी (Research Scholars)	₹900/-
विद्यार्थी (UG/PG)	₹600/-

प्रथम दिवस 16 सितंबर 2026

मुख्य संरक्षक

इंजीनियर संजीव अग्रवाल
(कुलाधिपति, सेज विश्वविद्यालय, इंदौर)

संरक्षक

श्रीमती साक्षी बंसल
(प्रबंध निदेशक, सेज विश्वविद्यालय इंदौर)

डॉ. प्रशांत जैन
(प्रति कुलाधिपति, सेज विश्वविद्यालय इंदौर)

मुख्यअतिथि

श्रीमती सुमित्रा ताई महाजन
पूर्व लोक सभा अध्यक्ष, भारत सरकार

विशिष्ट वक्ता

श्री विकास जी दवे,
प्रख्यात शिक्षाविद्, साहित्यकार एवं चिंतक

विशिष्टअतिथि

श्री अशोक जी कंडेल,
समाजसेवी, शिक्षाविद् एवं राष्ट्र चिंतक

सह संरक्षक

प्रो. पृथ्वीराज यादव
(कुलपति,
सेज विश्वविद्यालय इंदौर)

डॉ. सुधीर अग्रवाल
महानिदेशक.
सेज विश्वविद्यालय इंदौर

डॉ. अंकुर सक्सेना,
(प्रति कुलपति,
सेज विश्वविद्यालय इंदौर)

डॉ. मनीष चौधरी
कुलसचिव,
सेज विश्वविद्यालय इंदौर

सलाहकार

डॉ लालजी प्रसाद
शोध एवं विकास संकाय प्रमुख

डॉ विशाल शर्मा
संकाय प्रमुख

कार्यक्रम सलाहकार

डॉ. संदीप वर्मा
शोध एवं विकास संकाय उप-प्रमुख

डॉ. रामेश्वर मिश्र
विभागाध्यक्ष

कार्यक्रम सह सलाहकार

डॉ. पद्मश्री शर्मा
प्राध्यापक

संजोयक

डॉ. दीपक जहागीरदार
प्राध्यापक

डॉ. ओमजय गायकवाड़
सहायक प्राध्यापक

सह संजोयक

उज्ज्वल भाटी
सहायक प्राध्यापक

भूमिका जैन
शोध एवं विकास समन्वयक
कला एवं मानविकी

द्वितीय दिवस 17 सितंबर 2026

मुख्यअतिथि (Chief Guest)

मुख्यअतिथि

पद्मश्री श्री नारायण व्यास जी
वरिष्ठ पुरातत्वविद्, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण

विशिष्ट वक्ता

श्री अरविंद जी जावलेकर
प्रख्यात विचारक एवं विद्वान।

विशिष्टअतिथि

डॉ सचिन चतुर्वेदी
कुलगुरु,
नालन्दा विश्वविद्यालय

प्रो. वंदना झा
जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय
दिल्ली

आयोजक

कला और मानविकी विभाग
सेज विश्वविद्यालय, इंदौर

शोध विकास प्रकोष्ठ
सेज विश्वविद्यालय, इंदौर

साहित्यिक क्लब
सेज विश्वविद्यालय, इंदौर

श्रेणी	शुल्क राशि
संकाय सदस्य (Faculty Members)	₹ 1,200/-
शोधार्थी (Research Scholar)	₹ 900/-
छात्र (UG/PG Students)	₹ 600/-

संपर्क विवरण

फ़ोन: 8318845900 / 7974273721
ईमेल: ujjawal.bhati@sageuniversity.in
पता: कला एवं मानविकी संस्थान,
सेज विश्वविद्यालय इंदौर, मध्यप्रदेश 452020

समिति	सदस्य
मुद्रण एवं प्रचार-प्रसार	सुश्री देविका काले
प्रमाण-पत्र एवं किट	सुश्री प्रांजल भावसार
अनुशासन	डॉ. ओमजय गायकवाड़, श्री उज्ज्वल भाटी
स्वागत	सुश्री नंदिनी दाणे, सुश्री देविका काले
आयोजन स्थल एवं उचित व्यवस्था	सुश्री प्रांजल भावसार
यात्रा व्यवस्था	श्री सार्थक पाटीदार, डॉ. ओमजय गायकवाड़
आवास व्यवस्था	डॉ. दीपक जहागीरदार
भोजन एवं जलपान	डॉ. दीपक जहागीरदार, श्री उज्ज्वल भाटी
ब्रांडिंग	सुश्री देविका काले
आईसीटी (ICT)	सुश्री नंदिनी दाणे
सत्र एवं पैनल चर्चा	सुश्री प्रियंका जोशी, डॉ. पूर्वा कानूनगो
मुख्य वक्तव्य सत्र	सुश्री प्रियंका जोशी, सुश्री स्मृति पांडेय
सांस्कृतिक कार्यक्रम	सुश्री प्रांजल भावसार, सुश्री देविका काले

The SAGE GROUP For 4 decades | SAGE UNIVERSITY INDORE • BHOPAL | SIRT SAGE GROUP OF INSTITUTIONS Engineering • Management • Pharmacy | SAGE INTERNATIONAL SCHOOL | SAGE REALTY | Apollo Sage HOSPITALS TOUCHING LIVES | AGRAWAL APPL POWER PVT. LTD. | SGI SAGE GREEN INDUSTRIES | True Sage Foundation